School of Correspondence Courses, Delhi University

4094. SHRI K. LAKKAPPA:
SHRI M. RAMGOPAL REDDY:
SHRI H. N. NANJE GOWDA:

Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that School of Correspondence Courses, Delhi University is not functioning effectively as per report of the Managing Committee;

(b) what are findings of the Chairman Managing Committee; and

(c) how it is proposed to improve the functioning of the School?

THE MINISTER OF EDUCATION AND HEALTH AND SOCIAL WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND): (a) to (c). A note submitted by the Chairman of the Managing Committee of the School of Correspondence Courses on the functioning of the School is yet to be considered by the Executive Council of the Delhi University. The Executive Council will consider the finding and decide on measures necessary for improving the functioning of the School.

मध्य प्रदेश के उज्जैन सर्कल के अन्तर्गत आलोत आदि में टेलीफोनों का कार्यकरण

4095. **श्री सत्यनारायण जाटिया :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश में उज्जैन सर्कल के अन्तर्गत आलोत, महीदपुर और खचरौड़ में टेलीफोनों के कार्यकरण को सुधारने के लिए उनके मंत्रालय से अनुरोध किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो वहां टेलीफोन के कार्यकरणों को सुधारने के लिए क्या प्रबंध किए हैं ; और

(ग) क्या सरकार का विचार वहां बेहतर टेलीफोन सेवा के लिए आत्मनिर्भर टेलीफोन केन्द्रों की स्थापना करने का है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कार्तिक उरांव): (क) जी हां । आलोत और खचरोड़ में स्वतंत्र ट्रंक एक्सचेंज खोलने के लिए अनुरोध किया गया है ताकि उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं मिल सकें और मौजूदा सुविधाओं में सुधार हो सके ।

(ख) ट्रंक कार्यकरण मे सुधार लाने की दृष्टि से निम्न भागों पर कैरियर प्रणालियों की संस्थापना की योजना हैं :—

(1) आलोत—नागदा ।

(2) महीदपुर—उज्जैन ।

(3) खचरोड़—नागदा ।

आलोत और नागदा के बीच खुले तार युग्मों में से एक के स्थान पर एल्यूमिनियम तार लगाने का प्रस्ताव है ।

(ग) यातायात के कम परिमाण को ध्यान में रखते हुए फिलहाल स्वतंत्र टेलीफोन केन्द्रों की स्थापना का कोई प्रस्ताव नही है ।

शाजापुर और देवास, मध्य प्रदेश में दुग्ध संयंत्र

4096. **श्री फूलचन्द वर्मा :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश के घनी आबादी वाले शाजापुर और देवास जिलों के नगरीय क्षेत्रों में दूध की सप्लाई करने के लिए बड़ी क्षमता वाले दुग्ध संयंत्र की स्थापना करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ;

(ख) यदि हां, तो वहां दूध की कमी को देखते हुए क्या सरकार का विचार उक्त योजना को प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वित करने का है, और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

कृषि और ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह राव) : (क) से (ग). 1,000 लिटर प्रतिदिन की क्षमता का एक दुग्ध प्रशीतन संयंत्र शाजापुर जिले में कार्य कर रहा है । 20,000 लिटर प्रतिदिन की क्षमता वाला एक प्रशीतन संयंत्र देवास जिले में स्थापित किया जा रहा है । इनको अन्तर्राष्ट्रीय विकास एसोशिएशन से सहायता प्राप्त डेरी विकास कार्यक्रम के तहत शुरू किया गया है ।

दोनों जिले आपरेशन फ्लड —2 में भी शामिल हैं, जिसका उद्देश्य अन्य बातों के साथ साथ यह भी है कि 50,000 से अधिक जन संख्या वाले शाजापुर तथा देवास के शहरी क्षेत्रों में दूध की सप्लाई की जाए । राज्य सरकार उपरोक्त योजनाओं को पर्याप्त प्राथमिकता दे रही है ।